आइआइएम : जनजातीय और जनजातीय भाषा को कोर्स में किया शामिल

रांची. आइआइएम रांची ने स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों में अपने पाठ्यक्रम में बदलाव किया है. इसके तहत अब नये पाठ्यक्रम में भारत में जनजातीय, जनजातीय भाषा व साइंस ऑफ हैप्पीनेस को शामिल किया है. यह बदलाव स्नातकोत्तर कार्यक्रम के पहले वर्ष में किया है. इसके साथ ही मौजूदा पाठ्यक्रमों को नये पाठ्यक्रम से बदल दिया गया है. एमबीए-बिजनेस एनालिटिक्स प्रोग्राम में एथिकल इश्यूज इन एआइ नामक एक नया कोर्स और एक्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम में एथिक्स, गवर्नेंस एंड सस्टेनेबिलिटी पर नया कोर्स शुरू किया जा रहा है. आइपीएम के पहले तीन वर्षों में इनरिचमेंट इलेक्टिव नामक वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू किये हैं. इसमें सिनेमैटोग्राफी, सोक्रेटिक डायलॉग, वाटर मैनेजमेंट, स्पोर्ट्स मैनेजमेंट, स्टोरी टेलिंग, ह्यूमन कनेक्ट, ड्रामा एंड थियेटर, आर्ट एंड पेंटिंग्स शामिल हैं. छात्रों को दूसरे वर्ष में निर्धारित भाषा वैकल्पिक पाठ्यक्रम में स्थानीय जनजातीय भाषा सीखने की भी संभावना है.

Prabhat Khabar, 16.06.2023, Pg.9